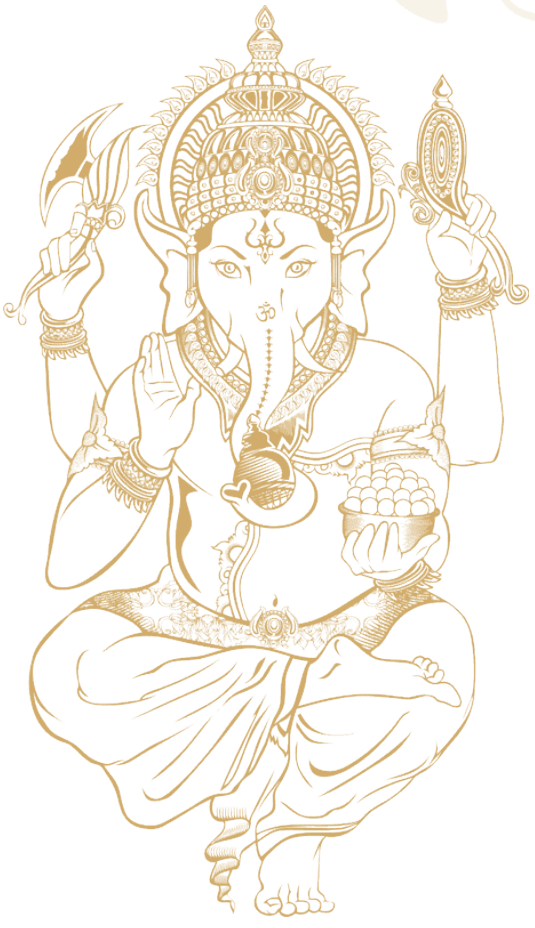

Bhawana

29 Jan 2022

04:40 PM

Sirsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121866003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/01/2022**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:40:00 घंटे**
इष्ट	23:16:52 घटी
स्थान	**Sirsa**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:32:00 उत्तर
रेखांश	75:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:10:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:05 घंटे
साम्पातिक काल	00:45:01 घंटे
सूर्योदय	07:21:15 घंटे
सूर्यास्त	18:04:47 घंटे
दिनमान	10:43:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:21:04 मकर
लग्न के अंश	28:14:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	28:14:33	308:19:01	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मक	15:21:04	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	07:04:48	14:45:34	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			धनु	09:25:16	00:43:42	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध	व		मक	02:27:36	00:48:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	12:28:05	00:13:43	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
शुक्र			धनु	16:54:55	00:00:14	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि		अ	मक	21:01:09	00:07:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		वृष	04:58:20	00:05:05	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	04:58:20	00:05:05	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मेष	16:42:28	00:00:34	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
नेप			कुंभ	27:11:31	00:01:48	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	02:42:21	00:01:57	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			मीन	18:04:13	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:43

लग्न-चलित

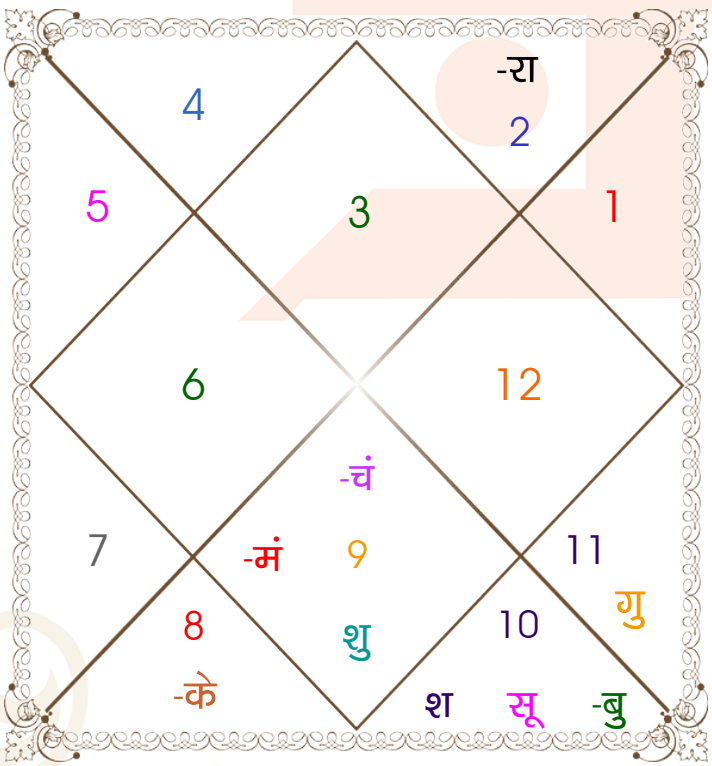

चन्द्र कुंडली

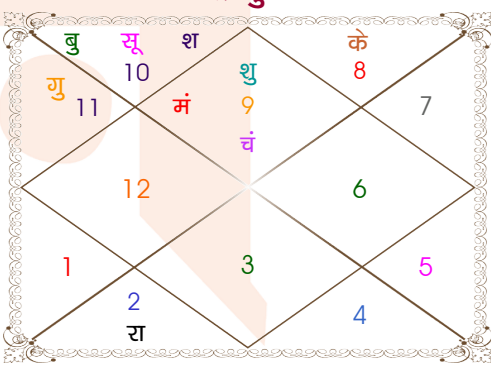

नवमांश कुंडली

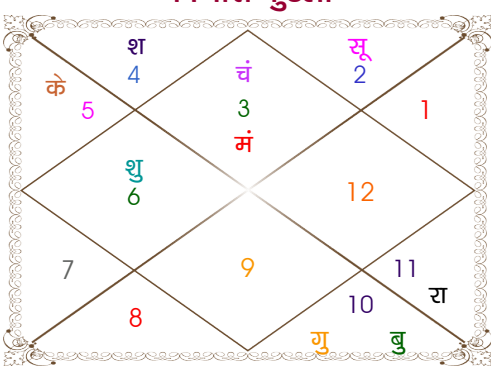

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 3 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/01/2022		12/05/2025		12/05/2045		13/05/2051		12/05/2061	
12/05/2025		12/05/2045		13/05/2051		12/05/2061		12/05/2068	
	00/00/0000	शुक्र	11/09/2028	सूर्य	30/08/2045	चंद्र	12/03/2052	मंगल	08/10/2061
	00/00/0000	सूर्य	11/09/2029	चंद्र	01/03/2046	मंगल	11/10/2052	राहु	27/10/2062
	00/00/0000	चंद्र	13/05/2031	मंगल	06/07/2046	राहु	12/04/2054	गुरु	03/10/2063
	00/00/0000	मंगल	12/07/2032	राहु	31/05/2047	गुरु	12/08/2055	शनि	11/11/2064
	29/01/2022	राहु	13/07/2035	गुरु	18/03/2048	शनि	12/03/2057	बुध	08/11/2065
राहु	30/04/2022	गुरु	13/03/2038	शनि	28/02/2049	बुध	12/08/2058	केतु	06/04/2066
गुरु	06/04/2023	शनि	12/05/2041	बुध	05/01/2050	केतु	13/03/2059	शुक्र	06/06/2067
शनि	15/05/2024	बुध	12/03/2044	केतु	13/05/2050	शुक्र	11/11/2060	सूर्य	12/10/2067
बुध	12/05/2025	केतु	12/05/2045	शुक्र	13/05/2051	सूर्य	12/05/2061	चंद्र	12/05/2068

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/05/2068		13/05/2086		14/05/2102		13/05/2121		14/05/2138	
13/05/2086		14/05/2102		13/05/2121		14/05/2138		00/00/0000	
राहु	23/01/2071	गुरु	30/06/2088	शनि	16/05/2105	बुध	10/10/2123	केतु	10/10/2138
गुरु	18/06/2073	शनि	11/01/2091	बुध	24/01/2108	केतु	06/10/2124	शुक्र	10/12/2139
शनि	24/04/2076	बुध	18/04/2093	केतु	04/03/2109	शुक्र	07/08/2127	सूर्य	16/04/2140
बुध	11/11/2078	केतु	25/03/2094	शुक्र	04/05/2112	सूर्य	12/06/2128	चंद्र	15/11/2140
केतु	30/11/2079	शुक्र	23/11/2096	सूर्य	16/04/2113	चंद्र	12/11/2129	मंगल	13/04/2141
शुक्र	29/11/2082	सूर्य	11/09/2097	चंद्र	15/11/2114	मंगल	09/11/2130	राहु	30/01/2142
सूर्य	24/10/2083	चंद्र	11/01/2099	मंगल	25/12/2115	राहु	29/05/2133		00/00/0000
चंद्र	24/04/2085	मंगल	18/12/2099	राहु	31/10/2118	गुरु	03/09/2135		00/00/0000
मंगल	13/05/2086	राहु	14/05/2102	गुरु	13/05/2121	शनि	14/05/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 3 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशग्र बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नही चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।